भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 23 MARCH 2026

Air India Express plans to drop Hindon airport from network

Aneesh Phadnis
Mumbai

Air India Express is pulling out of Hindon airport, barely a year after launching operations to the National Capital Region airport.

At present, Air India Express operates flights from Hindon to Mumbai and Bengaluru.

While demand is not a constraint, operational challenges at Hindon, aircraft availability and the upcoming launch of the Noida airport are said to have guided Air India Express' plans.

The airline did not respond to an e-mail query. Air India Express' website shows that flights from Hindon to Bengaluru and Mumbai are available for sale only till March 27, the last day of the winter schedule.

IndiGo and Star Air will continue to operate from Hindon airport.

Data from aviation analytics firm Cirium show 35 per cent fewer flights have been scheduled from Hindon in April over a month-on-month basis, with IndiGo reducing some of its services.

EXPANSION PLANS. AAI has drawn up a plan that will result in the expansion of the terminal and increase in-flight handling capacity REUTERS

According to the Airport Authority of India, Hindon airport handled 9.6 lakh passengers between April and January.

The airfield has two parking bays and a small terminal, hindering its growth.

Occasionally, this also led to aircraft holding 20-25 minutes as the bays remain occupied.

EXPANSION PLANS

Hindon airport is owned by the Indian Air Force, and the AAI runs a civil terminal.

Passenger flights began from Hindon under the Ude Desh ka Aam Nagrik (Udan) scheme in October 2019.

The AAI has drawn up a plan that will result in the expansion of the terminal and increase in-flight handling capacity at Hindon airport.

The authority asked Uttar Pradesh for around 9 acres of land, and the State is said to have agreed in principle to acquire 6.5 acres for the expansion.

As an interim measure, the existing terminal is being expanded by 700 sq m.

This will help reduce congestion and in the addition of passenger amenities, said an official.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE DELHI 23 MARCH 2026

Noida airport inauguration: Yogi reviews preparedness

■ *Issues instructions* ■ *Modi will unveil airport on March 28*

Noida, March 22: Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath on Sunday inspected the Noida International Airport to review preparations for its inauguration by Prime Minister Narendra Modi on March 28, officials said.

The CM also carried out an on-site inspection of arrangements for the inauguration ceremony and later held a review meeting with public representatives and senior officials, issuing necessary directives.

The inauguration of the airport and its cargo terminal, along with the foundation stone laying for a maintenance, repair and operations (MRO) facility, is scheduled to be performed by the Prime Minister on March 28.

According to an official statement, during the inspection, Mr Adityanath reviewed the route designated for the PM's visit and examined key locations, including the passenger terminal, cargo terminal, rally venue, parking areas, access routes and helipad.

He also issued instructions to ensure seamless arrangements at all sites.

The chief minister subsequently chaired a review meeting at the airport auditorium, where detailed discussions were held on preparations for the inauguration, event management, security arrangements and operational plans, it stated.

Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath during the on-site inspection of the Noida International Airport on Sunday. — PTI

Emphasising the expected presence of public representatives, dignitaries, media personnel and a large number of people, Mr Adityanath directed officials to ensure meticulous planning and effective execution of all arrangements.

To give the event a grand and world-class stature, he called for extensive branding and publicity campaigns to maximise outreach, according to the statement.

The CM also directed that all essential facilities — including accessibility, sanitation, uninterrupted power supply, drinking water, restrooms, security, traffic management, transportation, fire safety, medical services and signage — be completed ahead of schedule, it added. — PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 23 MARCH 2026

28 को ऐतिहासिक क्षण : योगी ने परखी नोएडा एयरपोर्ट उद्घाटन की तैयारियां

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे एयरपोर्ट का उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा, 22 मार्च (देशबन्धु)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 28 मार्च को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री दोपहर करीब 2 बजे हेलीकॉप्टर से एयरपोर्ट पहुंचे और शाम लगभग 5:15 बजे तक करीब सवा तीन घंटे तक व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने टर्मिनल बिल्डिंग, जनसभा स्थल और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से जुड़े प्रमुख स्थानों का दौरा किया। इसके बाद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक कर कार्यक्रम को सफल और ऐतिहासिक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसभा में करीब दो लाख लोगों की भागीदारी का लक्ष्य तय करते हुए सभी मूलभूत व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी करने को कहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। इसी कार्यक्रम में एमआरओ (मेंटेनेंस रिपेयर एंड ओवरहाल) हब का शिलान्यास भी प्रस्तावित है। हालांकि, एयरपोर्ट से नियमित उड़ानों का संचालन बाद में शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए एयरपोर्ट परिसर में पांडाल और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

> **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ एमआरओ हब का शिलान्यास भी करेंगे। मुख्यमंत्री के समक्ष तैयारियों का पूरा खाका प्रस्तुत किया गया है। उनके सुझावों के अनुसार सभी व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण कर ली जाएंगी : मेघा रूपम, जिलाधिकारी**

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल तक आने वाले सभी मार्गों को सुगम बनाने, साफ-सफाई, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा, चिकित्सा सेवाएं और साइनेज जैसी व्यवस्थाओं को समय से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न जिलों से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग स्थलों पर मोबाइल शौचालय, हेल्प डेस्क, पेयजल और मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा।

- **करीब सवा तीन घंटे तक किया निरीक्षण, पीएम मोदी करेंगे एमआरओ हब का शिलान्यास**
- **चार स्तरीय सुरक्षा, 3 हजार पुलिसकर्मी और 8 पार्किंग स्थल की तैयारी**

बैठक में अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार, विशेष सचिव ईशान प्रताप सिंह, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, जिलाधिकारी मेघा रूपम, यमुना प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह, एसीईओ शैलेंद्र भाटिया, नोएडा एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन और सीओओ किरण जैन सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के लिए विशेष हैलीपैड और अलग प्रवेश व्यवस्था

कार्यक्रम के दौरान वीवीआईपी और वीआईपी मेहमानों के लिए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे से विशेष मार्ग बनाया जाएगा। आमजन को तीन अलग-अलग रास्तों से कार्यक्रम स्थल तक प्रवेश दिया जाएगा। प्रधानमंत्री, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए कुल पांच हैलीपैड बनाए जाएंगे, जिनमें प्रधानमंत्री के लिए तीन विशेष हैलीपैड शामिल हैं।

पीडब्ल्यूडी और यातायात पुलिस कार्यक्रम में आने वाले वाहनों का आकलन कर रही है। एयरपोर्ट के पास आठ पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं, जहां दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए अलग व्यवस्था रहेगी।

सुरक्षा के लिए पांच अस्थायी पुलिस चौकियां

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट क्षेत्र में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पांच नई अस्थायी पुलिस चौकियां स्थापित की गई हैं। ये चौकियां माइल स्टोन-32 किमी, कार्गो टर्मिनल, डोमेस्टिक टर्मिनल, माइल स्टोन-27 किमी और माइल स्टोन-15 किमी पर बनाई गई हैं।

सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए सात नए पीसीआर/पीआरवी वाहन भी तैनात किए गए हैं, जो एयरपोर्ट और आसपास के क्षेत्रों में लगातार गश्त करेंगे।

तीन हजार पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग तीन हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। पुलिस, पीएसी और अन्य सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से सुरक्षा संभालेंगी। कार्यक्रम स्थल पर चार अलग-अलग मार्गों से लोगों की आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि भीड़ नियंत्रण और यातायात सुचारु बना रहे। सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी एंबुलेंस, मेडिकल टीम और फायर ब्रिगेड को भी अलर्ट मोड पर रखा जाएगा। कार्यक्रम स्थल में प्रवेश से पहले सभी लोगों की जांच की जाएगी और बिना अनुमति कोई वस्तु अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

चार स्तरीय सुरक्षा व वॉलिंटियर्स की तैनाती

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल के सभी ब्लॉकों में प्रशासन और पुलिस के महिला एवं पुरुष कार्मिकों के साथ पर्याप्त वॉलिंटियर्स तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को चार स्तरीय बनाने पर जोर देते हुए पार्किंग, ट्रैफिक प्रबंधन और वैकल्पिक मार्गों की विस्तृत समीक्षा की।

नोएडा एयरपोर्ट उद्घाटन बनाम दादरी पीडीए रैली

■ देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 22 मार्च (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का औपचारिक उद्घाटन करने जा रहे हैं। यह देश का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा माना जा रहा है, जिसे 'डबल इंजन सरकार' का प्रतीक बताते हुए भाजपा पूरे पश्चिमी यूपी से एक लाख से ज्यादा से कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भीड़ जुटाने की तैयारी में है। ठीक अगले दिन, 29 मार्च को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव दादरी में 'पीडीए सम्मेलन' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) आयोजित कर 2027 विधानसभा चुनाव का औपचारिक बिगुल फूंकने वाले हैं। सपा ने एक माह से इस रैली की तैयारी में जुटकर एक लाख से अधिक लोगों के जुटने का दावा किया है।

यह दो घटनाएं महज प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 2027 की चुनावी जंग का पहला बड़ा मुकाबला साबित हो सकती हैं। भाजपा विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर का नेरेटिव चला रही है, जबकि सपा जाति-समाजवादी समता का। सवाल यह है कि दोनों पार्टियां इससे कितना फायदा उठा पाएंगी और पश्चिमी यूपी के मतदाताओं पर इसका क्या असर पड़ेगा?

भाजपा की रणनीति : विकास का नया आयाम, पश्चिमी यूपी को 'नए भारत' से जोड़ना

भाजपा जेवर एयरपोर्ट को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद इसे 'यूपी की आर्थिक क्रांति' बताया है। एयरपोर्ट से 1 लाख करोड़ रुपए के राजस्व, हजारों रोजगार और एनसीआर के साथ बेहतर कनेक्टिविटी का दावा किया जा रहा है। पश्चिमी यूपी के सभी जिलों (गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर आदि) से भाजपा संगठन ने बसों और वाहनों का इंतजाम शुरू कर दिया है। पार्टी का लक्ष्य है कि मोदी के उद्घाटन समारोह में भारी भीड़ दिखाकर 'डबल इंजन सरकार' का संदेश पूरे प्रदेश में पहुंचाया जाए।

भाजपा का राजनीतिक लाभ का अनुमान

पश्चिमी यूपी में भाजपा को शहरी मतदाता, मध्य वर्ग, व्यापारी और कुछ जाट-गुर्जर समुदायों का समर्थन मिल सकता है। एयरपोर्ट से जुड़े क्षेत्रों (जेवर, दादरी, नोएडा) में भूमि मालिकों और युवाओं को रोजगार का लालच विकास नरेटिव को मजबूत करेगा। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिमी यूपी में अच्छी पकड़ बनाई थी, यह उद्घाटन उस आधार को और मजबूत कर सकता है। पार्टी उम्मीद कर रही है कि यह 'विकास का बिगुल' 2027 तक पूरे प्रदेश में गूंजेगा और विपक्ष को 'विकास विरोधी' साबित करेगा।

- **पश्चिमी यूपी में 2027 का 'डबल इंजन' बनाम 'समाजवादी समता' का मुकाबला शुरू**

हालांकि, कुछ क्षेत्रों में किसान-जाट असंतोष (भूमि अधिग्रहण से जुड़ा) अभी भी बाकी है, जिसे भाजपा 'समावेशी विकास' के जरिए कवर करने की कोशिश कर रही है।

सपा की जवाबी रणनीति : पीडीए का 'समाजवादी समता भाईचारा रैली', दादरी से चुनावी अभियान शुरू

एयरपोर्ट उद्घाटन के ठीक एक दिन बाद 29 मार्च को अखिलेश यादव दादरी (मिहिर भोज डिग्री कॉलेज ग्राउंड) में पीडीए सम्मेलन करेंगे। सपा प्रवक्ताओं ने इसे '2027 का पहला चुनावी बिगुल' बताया है। पार्टी का दावा है कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) के अलावा जाट-गुर्जर समुदाय भी बड़ी संख्या में जुड़ेंगे। सपा ने एक माह से बूथ स्तर पर तैयारी की है और रैली में एक लाख से ज्यादा लोगों के आने का लक्ष्य रखा है।

सपा का राजनीतिक लाभ का अनुमान

पश्चिमी यूपी सपा का पारंपरिक गढ़ रहा है। यादव, मुस्लिम, दलित और पिछड़े वोटरों का बड़ा हिस्सा यहां है। पीडीए फॉर्मूले से सपा बीएसपी और कांग्रेस के वोट भी आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। दादरी रैली से अखिलेश का संदेश साफ है- 'विकास तो ठीक, लेकिन सामाजिक न्याय पहले'। यदि रैली सफल रही तो सपा पश्चिमी यूपी में अपनी साख मजबूत करेगी और भाजपा के विकास नरेटिव को 'केवल अमीरों के लिए' बताकर काउंटर करेगी। 2012 में अखिलेश की साइकिल यात्रा नोएडा से शुरू हुई थी, जिससे वह सीएम बने, अब दादरी से शुरू करके पार्टी उसी 'इतिहास दोहराने' का दावा कर रही है।

पश्चिमी यूपी पर कुल असर : ध्रुवीकरण बढ़ेगा, लेकिन कौन आगे?

पश्चिमी यूपी में करीब 100 विधानसभा सीटें हैं, जो 2027 के नतीजे तय करेंगी। दोनों घटनाएं यहां मतदाताओं को दो खेमों में बांट सकती हैं-

भाजपा को संभावित फायदा : एयरपोर्ट जैसी मेगा प्रोजेक्ट से रोजगार और कनेक्टिविटी का मुद्दा युवा और शहरी वोटरों को आकर्षित करेगा। यदि मोदी-योगी की जोड़ी 'डबल इंजन' का संदेश सफलतापूर्वक बेच पाई तो भाजपा 2022 से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। पश्चिमी यूपी में औद्योगिक विकास (एक्सप्रेस वे, फिल्म सिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स पार्क) का नरेटिव यहां काम करेगा।

सपा को संभावित फायदा : पीडीए रैली अगर भारी भीड़ जुटा पाई तो जातीय समीकरण मजबूत होंगे। जाट-गुर्जर, यादव, मुस्लिम और दलित वोटों का एकजुट होना सपा को 30-40 सीटों का लाभ दे सकता है। सपा का फोकस 'विकास के नाम पर किसानों की उपेक्षा' पर रहेगा।

यह मुकाबला 2027 का 'ट्रेलर' है। भाजपा को विकास की लंबी दौड़ में फायदा दिख रहा है, लेकिन सपा तत्काल जातीय एकजुटता से जवाब दे रही है। पश्चिमी यूपी का मतदाता अब 'रोजगार अे सामाजिक न्याय' के बीच चयन करेगा। यदि एयरपोर्ट से वास्तविक रोजगार बढ़ा तो भाजपा मजबूतय नहीं तो सपा का पीडीए फॉर्मूला काम कर सकता है। दोनों पार्टियां इस सप्ताह के कार्यक्रमों से अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगी। भाजपा 28 तारीख को, सपा 29 तारीख को। अंतिम फैसला तो 2027 में होगा, लेकिन पश्चिमी यूपी की सियासी हवा अब इन दो घटनाओं से ही तय होने लगी है।

RS DAINIK JAGRAN DELHI 23 MARCH 2026

एटीएफ कीमतों पर नायडू ने कहा, एक अप्रैल से असर दिखने लगेगा

विशाखापत्तनम, एएनआइ : नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि एटीएफ की कीमतों में वृद्धि का असर एक अप्रैल से दिखना शुरू हो जाएगा। एटीएफ की कीमतें हर महीने की पहली तारीख को तय की जाती हैं। इसका असर एक अप्रैल से दिखना शुरू हो सकता है।

मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि सुरक्षित परिचालन उनकी प्राथमिकता है। यह एक "बहु-विभागीय प्रक्रिया" होने के कारण एयरलाइंस से प्रतिक्रिया लेने के लिए उससे बातचीत की जा रही है। नायडू ने कहा कि हम सुरक्षित परिचालन चाहते हैं, खासकर पश्चिम एशिया में और अन्य सभी लोगों के लिए भी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय सर्वोत्तम समाधान निकालने के लिए चर्चा करेंगे। एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी का प्रभाव परिचालन या यात्रियों पर नहीं पड़ना चाहिए। इस बीच, खाड़ी देशों में चल रहे तनाव के कारण विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों को देखते हुए एअर इंडिया घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर चरणबद्ध तरीके से ईंधन अधिभार बढ़ा रही है। वहीं, अकासा एयर ने 15 मार्च को 12:01 बजे से की गई बुकिंग पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए नया ईंधन अधिभार लागू करने की घोषणा की है।

राम मोहन नायडू

एअर इंडिया और अकासा एयर ने लिया ईंधन अधिभार बढ़ाने का फैसला

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 23 MARCH 2026

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को उद्घाटन करेंगे, जनसभा में दो लाख लोगों के लाने का लक्ष्य

योगी ने एयरपोर्ट के शुभारंभ की तैयारियां परखीं

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचकर करीब सवा तीन घंटे से तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को परखा। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के कार्यक्रम की समीक्षा की और जनसभा में दो लाख लोगों के शामिल होने का लक्ष्य दिया।

नोएडा एयरपोर्ट का 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उदघाटन करेंगे। साथ ही एमआरओ हब का भी शिलान्यास करेंगे। हालांकि, उड़ानें बाद में शुरू होंगी। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पंडाल समेत अन्य कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को लखनऊ से हवाई मार्ग से गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पहुंचे, वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए नोएडा एयरपोर्ट पहुंचे। करीब दो बजे पहुंचे और शाम को 5:15 बजे तक रुके रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। टर्मिनल बिल्डिंग की व्यवस्थाओं का परखा। वे वहां भी गए, जहां से प्रधानमंत्री शुभारंभ करेंगे।

जेवर में नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह की तैयारियों का रविवार को निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ। • हिन्दुस्तान

प्रधानमंत्री के लिए तीन हैलीपेड बनेंगे

एयरपोर्ट के अंदर होने वाली जनसभा में आमजनों को तीन रास्तों से परिसर में प्रवेश दिया जाएगा। वीवीआईपी और वीआईपी अतिथियों के वाहनों को ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे से बने रास्ते से एयरपोर्ट में प्रवेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में आने वाले वाहनों का आकलन किया जा रहा है। एयरपोर्ट के पास पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे। जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए पांच हैलीपैड बनेंगे। पीएम के लिए तीन विशेष हैलीपैड बनेंगे।

पांच अस्थाई चौकिंया बनीं

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि एयरपोर्ट के आसपास सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पांच नई अस्थायी पुलिस चौकियां बनाई गई हैं। सात नए पीसीआर/पीआरवी वाहन भी तैनात किए हैं। ये लगातार गश्त करेंगे।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था के लिए तीन हजार पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। प्रधानमंत्री का रैली स्थल तक काफिला सुरक्षित तरीके से पहुंचे, इसके लिए रूट को पूरी तरह से सुरक्षित और नियंत्रित रखा जाएगा। आठ पार्किंग स्थल चयनित किए गए हैं।

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही एमआरओ हब का शिलान्यास भी करेंगे। मुख्यमंत्री के समक्ष तैयारियों की जानकारी दी। उनके द्वारा दिए गए सुझावों के आधार तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। –मेधा रुपम, जिलाधिकारी

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 23 MARCH 2026

UP CM asks officials to ensure smooth Noida airport launch

Vinod Rajput
vinod.rajput@htlive.com

GREATER NOIDA: Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath on Sunday directed officials to keep all arrangements in place to avoid any inconvenience to the public during the inauguration of Noida International Airport on March 28 by Prime Minister Narendra Modi, which is expected to attract over 150,000 people.

"The arrangements must be well-organised and effective, considering the expected presence of public representatives, distinguished guests, media, and a large number of citizens," he said. The CM directed the officials to ensure smooth connectivity to the venue, proper cleanliness, uninterrupted power supply, clean drinking water, sanitation facilities, adequate security arrangements and traffic management.

"Special instructions were issued to ensure adequate facilities at parking areas for visitors, including mobile toilets, help desks, drinking water, and medical services," Medha Roopam, district magistrate Gautam Budh Nagar, told HT.

The airport is being developed in four phases. In its first phase, it will operate with one runway and one terminal, handling up to 12 million passengers annually.

HINDUSTAN TIMES PATNA 22 MARCH 2026

Adityanath reviews preparations for PM's March 28 launch of Noida Int'l Airport

NOIDA: Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath on Sunday inspected the Noida International Airport to review preparations for its inauguration by Prime Minister Narendra Modi on March 28, officials said.

The chief minister also carried out an on-site inspection of arrangements for the inauguration ceremony and later held a review meeting with public representatives and senior officials, issuing necessary directives.

The inauguration of the airport and its cargo terminal, along with the foundation stone laying for a maintenance, repair and operations (MRO) facility, is scheduled to be performed by the prime minister on March 28.

According to an official statement, during the inspection, Adityanath reviewed the route designated for the prime minister's visit and examined key locations, including the passenger terminal, cargo terminal, rally venue, parking areas, access routes and helipad.

He also issued instructions to ensure seamless arrangements at all sites.

The CM subsequently chaired a review meeting at the airport auditorium, where detailed discussions were held on preparations for the inauguration, event management, security arrangements and operational plans, it stated.

Emphasising the expected presence of public representatives, dignitaries, media personnel and a large number of people, Adityanath directed officials to ensure meticulous planning and effective execution of all arrangements.

To give the event a grand and world-class stature, he called for extensive branding and publicity campaigns to maximise outreach, according to the statement.

The CM also directed that all essential facilities --" including accessibility, sanitation, uninterrupted power supply, drinking water, restrooms, security, traffic management, transportation, fire safety, medical services and signage – be completed ahead of schedule, it added.

PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 23 MARCH 2026

U.P. CM Adityanath inspects Noida International Airport

Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath on Sunday inspected the Noida International Airport to review preparations for its inauguration by Prime Minister Narendra Modi on March 28, officials said. The Chief Minister also carried out an on-site inspection of arrangements for the inauguration ceremony and later held a review meeting with public representatives and senior officials, issuing necessary directives. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 23 MARCH 2026

Yogi at Jewar airport days before opening

UP CM Yogi Adityanath at the airport on Sunday ahead of its inauguration by PM Narendra Modi, scheduled for March 28. ANI

Express News Service
New Delhi, March 22

UTTAR PRADESH Chief Minister Yogi Adityanath on Sunday made a key visit to the Noida International Airport in Jewar to conduct a review and inspection ahead of its inauguration by Prime Minister Narendra Modi, scheduled for March 28.

According to officials, the PM will also inaugurate the cargo terminal and lay the foundation stone of a Maintenance, Repair and Overhaul (MRO) project on March 28.

Officials said that the CM reviewed the proposed route of the PM's visit and examined key locations like the passenger terminal, cargo terminal, rally venue, parking areas, access routes and helipad. Officials, meanwhile, said that a four-layer security system will be in place during the event.

Adityanath also held a review meeting with public representatives and senior officials where discussions were held on preparations for the inauguration, security arrangements and operational plans. He also directed all departments to work in coordination and finish work within the set deadline.

The Indian Express had reported that Phase 1 of the airport will have one runway and an annual passenger handling capacity of 1.2 crore. An average of 150 flights are expected to operate daily. "Once the number of passengers crosses 1 crore annually, the process of constructing the second runway will begin," an official had said.

MILLENNIUM POST DELHI 23 MARCH 2026

Yogi reviews preparations for PM Modi's March 28 inauguration of Noida Airport

NOIDA: Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath on Sunday inspected the Noida International Airport to review preparations for its inauguration by Prime Minister Narendra Modi on March 28, officials said. The chief minister also carried out an on-site inspection of arrangements for the inauguration ceremony and later held a review meeting with public representatives and senior officials, issuing necessary directives.

The inauguration of the airport and its cargo terminal, along with the foundation stone laying for a maintenance, repair and operations (MRO) facility, is scheduled to be performed by the prime minister on March 28.

According to an official statement, during the inspection, Adityanath reviewed the route designated for the prime minister's visit and examined key locations, including the passenger terminal, cargo terminal, rally venue, parking areas, access routes and helipad.

Chief Minister Yogi Adityanath reviewed inauguration preparations, directing seamless arrangements, strong security and infrastructure, and extensive branding to ensure a well-planned, large-scale event with adequate public facilities. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 23 MARCH 2026

CM Yogi inspects Noida Airport ahead of March 28 inauguration

Uttar Pradesh CM Yogi Adityanath during the on-site inspection of the Noida International Airport PTI

PIONEER NEWS SERVICE
Noida

Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath on Sunday inspected the Noida International Airport to review preparations for its inauguration by Prime Minister Narendra Modi on March 28, officials said.

The chief minister also carried out an on-site inspection of arrangements for the inauguration ceremony and later held a review meeting with public representatives and senior officials, issuing necessary directives.

The inauguration of the airport and its cargo terminal, along with the foundation stone laying for a maintenance, repair and operations (MRO) facility, is scheduled to be performed by the prime minister on March 28.

According to an official statement, during the inspection, Adityanath reviewed the route designated for the prime minister's visit and examined key locations, including the passenger terminal, cargo terminal, rally venue, parking areas, access routes and helipad.

He also issued instructions to ensure seamless arrangements at all sites.

The chief minister subsequently chaired a review meeting at the airport auditorium, where detailed discussions were held on preparations for the inauguration, event management, security arrangements and operational plans, it stated.

Emphasising the expected presence of public representatives, dignitaries, media personnel and a large number of people, Adityanath directed officials to ensure meticulous planning and effective execution of all arrangements.

To give the event a grand and world-class stature, he called for extensive branding and publicity campaigns to maximise outreach, according to the statement.

The chief minister also directed that all essential facilities — including accessibility, sanitation, uninterrupted power supply, drinking water, restrooms, security, traffic management, transportation, fire safety, medical services and signage — be completed ahead of schedule, it added.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 23 MARCH 2026

नोएडा हवाई अड्डे का 28 को उद्घाटन

पंजाब केसरी/नोएडा

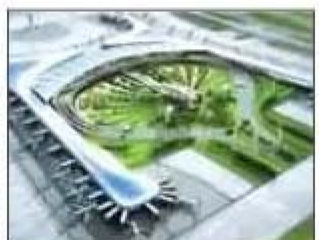

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को नोएडा पहुंचे। मुख्यमंत्री दोपहर में हेलीकॉप्टर से जेवर स्थित हवाई अड्डा पहुंचे और करीब डेढ़ घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक कर उद्घाटन समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस, यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने व्यापक तौर पर तैयारियां की थीं। योगी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर समारोह की रूपरेखा, सुरक्षा योजना, जनसभा में आने वाले लोगों की संभावित संख्या और बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की जानकारी दी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE DELHI 23 MARCH 2026

Rising jet fuel prices to pinch, says Air India CEO

Mumbai/New Delhi, March 22: The Air India Group has been significantly impacted by the Middle East conflict and the financial impact is "yet to be fully felt", according to Air India chief Campbell Wilson, who has also stressed the need for having a tighter-than-ever control of unnecessary expenditure.

Air India and Air India Express have been grappling with operational disruptions like other airlines since the start of the conflict involving the US, Israel, and Iran on Feb. 28.

Campbell Wilson

"In the three weeks since the conflict started, we have had to cancel around 2,500 flights to the region. As of today, we can operate only around 30 per cent of our normal Middle East schedule because airports and/or airspace are closed, or are assessed to be beyond our safety threshold," Wilson said in a message to the staff.

Airline's flights to UK, Europe, and North America, are also taking longer flight paths due to airspace restrictions in the region, resulting in more fuel consumption. — *PTI*

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 23 MARCH 2026

Govt considering additional measures to support airlines

TAILWINDS. After removing airfare cap, it mulls lowering airport fee for parked planes

Rohit Vaid
New Delhi

The Centre is mulling a reduction in statutory charges, including airport parking fees, to provide relief to airlines even as it has removed the temporary airfare caps to ease the financial stress in the sector.

Speaking to *businessline*, industry sources said: "After removing airfare caps, there is a discussion on lowering airport fees for parked aircraft that were earlier deployed to the Gulf region."

Gulf routes, which account for a significant share of international flights for most Indian carriers, have been disrupted for close to a month. Industry stakeholders confirmed that the government is considering additional measures to support Indian carriers.

The Centre has removed temporary airfare caps, offering much-needed relief to cash-strapped airlines grappling with surging fuel costs and operational pressures.

The decision comes days after India-based carriers warned of potential flight cuts, fleet groundings and job losses, citing mounting financial strain driven by high aviation turbine fuel (ATF) prices, a weak rupee and high airport charges.

NO-FLY ZONE. Gulf routes, which account for a significant share of international flights for Indian carriers, have been disrupted for a month

GREATER FLEXIBILITY

Notably, industry sources said the removal of fare caps will allow airlines greater flexibility to price tickets in line with market conditions, enabling a partial pass-through of rising input costs.

Airlines had earlier flagged to the Ministry of Civil Aviation that regulatory constraints on fares were exacerbating losses at a time when operating expenses had surged sharply.

Besides, they sought relief from the high ATF prices, which remain a key concern. Jet fuel prices across metro cities rose by nearly six per cent in the latest revision earlier this month.

Consequently, airlines imposed fuel surcharges on both domestic and international routes from March 2026, citing rising ATF prices and high fuel taxes.

"The move to remove the fare cap provides critical headroom for airlines to manage yields better, especially during peak travel periods," said a senior industry executive.

Furthermore, the decision assumes significance as carriers prepare for the peak summer travel season, even as geopolitical tensions in West Asia continue to keep global crude oil markets volatile.

Industry observers noted that any sharp increase in ticket prices could impact passenger demand, particularly on price-sensitive domestic routes.

"The recent government notification scrapping temporary airfare caps does not give airlines a free hand to charge arbitrarily. Airlines have already raised fuel surcharges, and such surcharges only cover shocks arising from the rise in fuel prices," said Mark Martin, Founder and CEO of Martin Consulting.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 23 MARCH 2026

Check unnecessary expenses, Air India CEO tells staff amid West Asia conflict

The Air India group has been significantly impacted by the West Asia conflict and the financial impact is "yet to be fully felt", according to Air India chief Campbell Wilson, who has also stressed the need for having a tighter than ever control of unnecessary expenditure.

Loss-making Air India and Air India Express have been grappling with operational disruptions like other airlines since the start of the conflict involving the US, Israel, and Iran on February 28.

"In the three weeks since the conflict started, we have had to cancel around 2,500 flights to the region," Wilson said in a message to the staff on Friday. According to Wilson, the financial impact of this crisis is yet to be fully felt, as although the spot price of jet fuel has more than doubled, most of the impact will only hit the group from next month. "For now, though, we should continue to focus on safe operations, keep tighter-than-ever control of non-urgent or unnecessary expenditure, support each other and keep delivering great Air India service to our customers," Air India's MD and CEO said. Air India, Air India Express, IndiGo, and Akasa Air have imposed fuel surcharge and charge on tickets amid rising jet fuel costs due to the conflict.

PTI

DAINIK BHASKAR DELHI 23 MARCH 2026

तेजी आज से एयरलाइंस खुद तय करेंगी टिकट के दाम; युद्ध के बीच बढ़ी लागत का असर

उड़ानें अब महंगी होने की आशंका, घरेलू हवाई किरायों से कैपिंग हटी

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली/मुंबई

भारत सरकार ने घरेलू हवाई टिकटों पर पिछले साल दिसंबर से लगी 'प्राइस कैपिंग' (किराए की ऊपरी सीमा) हटाने का फैसला किया है। एयरलाइंस कंपनियां सोमवार 23 मार्च से अपनी मर्जी और बाजार की मांग के हिसाब से किराया वसूल सकेंगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ईरान युद्ध के कारण विमान ईंधन की कीमतों में तेजी आई है और एयरलाइंस कंपनियां घाटे का दबाव बढ़ने की बात कह रही थीं।

मंत्रालय ने कैपिंग हटाते हुए एयरलाइंस को निर्देश दिया है कि वे अपनी प्राइसिंग में अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखें। यह सुनिश्चित किया जाए कि बाजार की स्थितियों के नाम पर यात्रियों का शोषण न हो। हालांकि, जानकारों का मानना है कि 'ओपन मार्केट' में सरकार का सीधा नियंत्रण सीमित रहेगा। दरअसल, दिसंबर 2025 में मार्केट लीडर 'इंडिगो' की उड़ानें बड़े पैमाने पर रद्द होने के कारण किरायों में अचानक भारी उछाल आया था। तब सरकार ने यात्रियों के हितों की रक्षा के लिए 500 किमी तक की यात्रा के लिए अधिकतम 7,500 रुपए और दिल्ली-मुंबई जैसे लंबे रूटों के लिए 15,000 रुपए की सीमा तय की थी। अब नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कहना है कि क्षमता बहाल होने और ऑपरेशन सामान्य होने के बाद यह कैपिंग हटाई जा रही है।

विशेषज्ञों ने जताई किराया बढ़ने की आशंका

फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) के अध्यक्ष कैप्टन चरणवीर सिंह रंधावा ने इस फैसले पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा, कैपिंग हटाना आम आदमी के खिलाफ है। देश में फिलहाल एयर इंडिया और इंडिगो का दबदबा है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा की कमी के चलते वे पीक सीजन में ग्राहकों से ऊंचे किराये वसूल सकती हैं। उन्होंने कहा, दो दिन पहले सरकार ने सीट चार्ज में 60% राहत की बात की थी, लेकिन अब कैपिंग हटाकर उस राहत का असर कमजोर पड़ सकता है। गर्मी की छुट्टियों और त्योहारों जैसे पीक सीजन में किराया तेजी से बढ़ सकता है। 15,000 रुपए की सीमा हटने से दिल्ली-मुंबई का टिकट 25-30 हजार रुपए तक पहुंचने की आशंका है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 23 MARCH 2026

निर्णय *सरकार ने घरेलू हवाई किराए पर लगी सीमा हटाई*

घरेलू उड़ानों का किराया बढ़ा सकेंगी एयरलाइंस

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां)। अब एयरलाइन कंपनियां घरेलू उड़ानों का किराया सीटों की मांग की हिसाब से बढ़ा सकेंगी। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने हवाई किराए पर लगी रोक को हटा दिया है। आदेश के मुताबिक यह फैसला 23 मार्च से लागू होगा। पिछले साल दिसम्बर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया लगाया गया था।

सरकार ने एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18 हजार तय किया था। एयरलाइन इससे ज्यादा दाम नहीं ले सकती थीं। आदेश में कहा गया कि पूरे सेक्टर में उड़ानों की क्षमता बहाल हो गई है तथा परिचालन सामान्य हो गया है। समीक्षा के बाद, यह फैसला किया गया है कि किराए पर लगाई गई सीमा को 23 मार्च से हटा दिया जाएगा। दरअसल, पिछले साल डीजीसीए ने 1 नवंबर से पायलटों और अन्य क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े नियमों में बदलाव किए थे। इसे फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नाम दिया गया था।

■ इंडिगो संकट के दौरान 18 हजार तय की थी अधिकतम सीमा

इसकी वजह से एयरलाइन कंपनी इंडिगो में स्टाफ की कमी हो गई जिससे हजारों फ्लाइंट्स कैंसिल हुई थी। इस वजह से अन्य एयरलाइंस ने घरेलू फ्लाइट्स का किराया 50 हजार तक बढ़ा दिया था। अपने आदेश में, मंत्रालय ने यह भी कहा कि एयरलाइंस को कीमतों के मामले में अनुशासन बनाए रखना होगा और जिम्मेदारी से काम करना होगा।

दस गुना तक कीमत में मिल रहे थे टिकट

इंडिगो की उड़ानों में बड़े पैमाने पर निरस्तीकरण और देरी के बाद फ्लाइट्स का किराए में उछाल देखने को मिला था। यात्रियों को ऑप्शनल फ्लाइट्स की तलाश में सामान्य से दस गुनी कीमत पर टिकट खरीदने पड़ रहे थे। बुकिंग साइट के अनुसार, 6 दिसम्बर को दिल्ली से बेंगलुरु की सबसे सस्ती फ्लाइट की कीमत 40,000 रुपए से ज्यादा थी, जबकि कुछ फ्लाइट्स का किराया 80 हजार रुपए तक पहुंच गए थे।

इंडिगो व एयर इंडिया शुरू करेंगी सीमित परिचालन

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। मध्य पूर्व में तनाव के बीच भारतीय एयरलाइंस इंडिगो और एयर इंडिया ने यात्रियों की सुविधा के लिए 22 मार्च से क्षेत्र में फिर से सीमित परिचालन शुरू करने का निर्णय लिया है। साथ ही, यात्रियों से आग्रह किया है कि वह आखिरी समय में भी बदलाव के लिए तैयार रहें।

बजट एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि वह रविवार को चुनिंदा उड़ानें संचालित करेगी और यात्रियों को सलाह दी है कि वे हवाई अड्डे जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच कर लें। इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अनिश्चित स्थिति के दौरान यात्रियों की सहायता करने और उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए उसकी टीमें चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। एयरलाइन ने आगे कहा, 'मध्य पूर्व में बदलती स्थिति के बीच, इंडिगो की टीमें ग्राहकों को सहयोग देने और उन्हें उनके प्रियजनों तक पहुंचाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं।'

■ **यात्रियों को दी हवाई अड्डे जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह**

इंडिगो ने आगे कहा कि इसी प्रयास के तहत, हम मौजूदा सुरक्षा शर्तों और आवश्यक नियामक अनुमोदनों के अनुरूप 22 मार्च को उड़ानें संचालित कर रहे हैं।

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने घोषणा की है कि वे 22 मार्च को पश्चिम एशिया से आने-जाने वाली लगभग 50 उड़ानें (निर्धारित और विशेष दोनों) संयुक्त रूप से संचालित करेंगी। कहा कि एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस 22 मार्च को पश्चिम एशिया क्षेत्र से आने-जाने वाली कुल 50 निर्धारित और अनियमित उड़ानें संचालित करेंगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN HERALD BANGALORE 22 MARCH 2026

Centre removes caps on domestic airfares

NEW DELHI/ MUMBAI, PTI: The government has removed temporary caps on domestic airfares that were imposed in the wake of the IndiGo flight disruptions in December last year.

The airfare caps removal will be effective from March 23, according to an order issued by the civil aviation ministry. The move also comes at a time when airlines are facing significant operational disruptions in international routes due to West Asia conflict. In the order, the ministry also said that airlines are required to exercise pricing discipline and act responsibly.

"Airlines shall ensure that fares remain reasonable, transparent and commensurate with market conditions, and that passenger interests are not adversely impacted," it said.

The ministry also stressed that any instance of excessive or unjustified surge in fares, would be viewed seriously.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN | DELHI | 23 MARCH 2026

'हवाई टिकटों पर लगी सीमा हटाना गलत'

राब्यू, जागरण • नई दिल्ली: केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से घरेलू हवाई यात्रा किराये पर लगी सीमा को हटाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने तय सीमा को हटाने की वजह से हवाई यात्रा पर लागत बढ़ने की संभावना जताई है। कहा, केंद्र के कदम से मध्यम वर्ग के लिए हवाई यात्रा पहुंच से बाहर हो सकती है। 23 मार्च से लागू हो रहे इस फैसले के बाद हवाई किराये में भारी उछाल आने की संभावना है। केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि मोदी सरकार हवाई किराये पर लगी सीमा को हटा रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 21 MARCH 2026

एअर इंडिया ने भेज दिया गलत विमान सात घंटे बाद लौटा

नई दिल्ली, प्रेट्र : वैंकूवर जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 777-200 एलआर विमान सात घंटे से अधिक समय तक हवा में रहने के बाद गुरुवार शाम को दिल्ली लौट आया, क्योंकि पता चला कि विमान को उस उड़ान के लिए मंजूरी नहीं मिली थी। सूत्रों ने बताया कि कनाडा जाने वाले विमान के लिए आवश्यक शर्तों की सूची को अपडेट करने में हुई चूक के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई, जिससे गलत विमान को भेज दिया गया। एअर इंडिया ने शुक्रवार को ज्यादा विवरण दिए बिना कहा कि विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया है।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradar24.com पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, विमान चीनी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद दिल्ली लौट आया। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि 19 मार्च को दिल्ली से वैंकूवर जा रहा विमान परिचालन संबंधी समस्या के कारण दिल्ली लौट आया। सभी यात्री एवं चालक दल के सदस्य सुरक्षित रूप से बाहर निकल गए।

AIRLINES ASKED TO KEEP FARES 'REASONABLE & TRANSPARENT'

Airfares rise up to 10% as govt removes price caps

YARUQHULLAH KHAN
New Delhi, March 22

COST PRESSURE

- Industry players expect ticket prices to go up further, especially in April
- The transition to unregulated pricing comes at a time when Indian carriers are facing the impact of West Asia war
- Rise in ATF cost and the depreciating of the rupee amid the ear have added to the woes of Indian airlines

■ The Federation of Indian Airlines warned the government last week that keeping the caps while fuel and routing costs rise was eroding revenue and could force route withdrawals or delayed expansion

AIRFARES ON HIGH-DEMAND metro routes and for short-notice bookings have gone up by at least 5-10% as the government removed price caps, according to estimates by travel agents and analysts.

Prices are expected to rise further from Monday when the cap revocation, announced on Saturday, comes into effect. The government imposed the distance-based fare ceilings on December 6, 2025, after IndiGo's mass cancellations triggered capacity shortages and jacked up ticket prices.

"Tickets on high-demand metro routes, short-notice bookings, and for dates that were already priced close to the ceiling have already started seeing a 5-10% rise in prices for the last week of March and early April compared to last week (March 16-22)," a senior executive from Yatra.com told *FE*.

"Average last-minute ticket (for a ticket booked 36 hours before the flight) prices for Delhi-Mumbai, Delhi-Kolkata flights, which were capped at ₹15,000 have risen from ₹5,500-6,000 last week (March 16-22) to ₹6,000-6,500 in the coming week (March 23-39)," Lokesh Sharma, a senior aviation and defence analyst told *FE*. He added that the real impact of the removal of domestic airfare caps will be visible after April 15, when schools in the country start announcing their summer breaks and flight bookings rise.

Similarly, travel analysis firm The Adept Traveler flagged that domestic feeder legs into Delhi, Mumbai, and Bengaluru — used to connect to long-haul flights — are seeing a rise in domestic ticket prices since the government's announcement on the removal of fare caps.

The transition to unregulated pricing occurs as Indian carriers face a financial environment marked by the ongoing conflict in West Asia, which has driven aviation turbine fuel (ATF) prices higher. Since early March 2026, ATF has seen significant price escalation due to supply interruptions, particularly the halt of vessel movement through the Strait of Hormuz. Fuel costs currently represent 30-40% of an airline's operating expenses. Additionally, the rupee has reached record lows against the US dollar, increasing dollar-denominated costs such as aircraft lease payments and engine maintenance.

Airlines argued that the cap was no longer sustainable given their cost structure, with the Federation of Indian Airlines, representing IndiGo, Air India, and SpiceJet, last week warning the government that keeping the caps while fuel and routing costs rise was eroding revenue and could force route withdrawals or delayed expansion.

In a letter to the Ministry of Civil Aviation (MoCA), the group cautioned that if current conditions persisted, carriers risked "severe financial losses" that could push weaker operators towards financial distress.

The ministry, in its December 6 order, capped economy fares at ₹7,500 for sectors up to 500 km; ₹12,000 for 500-1,000 km; ₹15,000 for 1,000-1,500 km; and ₹18,000 for routes beyond 1,500 km, excluding taxes and fees. The ministry has now said operations have stabilised and the cap "shall stand withdrawn with effect from 23rd March, 2026," while warning airlines to keep fares "reasonable, transparent and commensurate with market conditions."

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 23 MARCH 2026

Impact of war in W Asia yet to be fully felt: Air India CEO

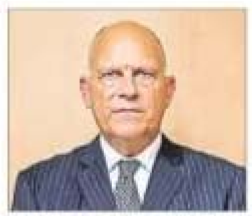

Air India CEO Campbell Wilson

THE AIR INDIA Group has been significantly impacted by the West Asia conflict and the financial impact is "yet to be fully felt", according to Air India CEO Campbell Wilson, who has also stressed the need for having a tighter-than-ever control of unnecessary expenditure.

Air India and Air India Express have been grappling with operational disruptions like other airlines since the start of the war. "In the three weeks since the conflict started, we have had to cancel around 2,500 flights to the region. As of today, we can operate only around 30% of our normal Middle East schedule because airports and/or airspace are closed, or are assessed to be beyond our safety threshold," he told the staff. —PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 23 MARCH 2026

दुखद : बुजुर्ग महिला के शव संग 13 घंटे उड़ता रहा विमान

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान में रविवार को एक महिला यात्री की टेकऑफ के एक घंटे बाद मौत हो गई। इसके बाद उनका शव पूरे 13 घंटे तक विमान में ही रखा रहा।

शव को विमान के पीछे वाले हिस्से में रखा गया था, जहां फर्श गर्म था। इसी वजह से धीरे-धीरे बदबू फैलने लगी, जिससे पीछे बैठे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह घटना हॉन्गकॉन्ग से लंदन जा रही फ्लाइट में हुई। महिला की उम्र करीब 60 साल थी। पायलट ने फ्लाइट को बीच में रोकने या वापस लौटने के बजाय लंदन तक जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि नियमों के मुताबिक ऐसी स्थिति को आमतौर पर इमरजेंसी नहीं माना जाता।

ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान में एक महिला यात्री की मौत हो गई। ये उड़ान हांगकांग से लंदन जा रही थी। इस मौत को आपातकाल नहीं माना गया और विमान अपने गंतव्य तक रवाना हुआ।

60 साल की उम्र बताई गई महिला की

01 घंटे बाद ही मौत हो गई थी टेकऑफ करते ही

45 मिनट तक यात्रियों को सीट पर ही बैठे रहने को जांच टीम ने कहा

हर समस्या आपातकाल की स्थिति नहीं होती

- हवाई यात्रा के दौरान हर समस्या आपातकाल नहीं मानी जाती।
- जब तक चालक दल के सदस्यों, यात्रियों की जान को खतरा न हो तब तक आपातकाल घोषित नहीं किया जा सकता।
- विमान में आग, धुंआ भरने, पक्षी से टकराने,केबिन प्रेशर या तेल खत्म होना आपातकाल माना जाता है।
- गंभीर मेडिकल मामलों में उड़ान को मोड़ा जा सकता है, जिससे यात्री को जल्द इलाज मिल सके।
- खराब मौसम, बम की धमकी आदि को भी आपातकाल की श्रेणी में रखा जाता है। इस स्थिति में विमान को उतारा जा सकता है।
- यात्री की हल्की तबीयत खराब होना या किसी यात्री की मौत जैसे मामलों में उड़ान जारी रखी जा सकती है।

कब और कैसे मिलता है मुआवजा

- यात्रा के दौरान अगर किसी यात्री की मौत हो जाती है, तो हर मामले में एयरलाइन मुआवजा नहीं देती। इसे तभी दिया जाता है, जब एयरलाइन की गलती या लापरवाही साबित हो।
- नियमों के मुताबिक, अगर किसी यात्री की मौत प्राकृतिक तरीके जैसे हृदयघात से होती है, तो एयरलाइन पर मुआवजा देने की जिम्मेदारी नहीं बनती।
- अगर ये साबित होता है कि एयरलाइन ने नियमों का पालन नहीं किया और समय पर मदद नहीं दी तो उसे मुआवजा देना होता है।

जान लें क्या हैं नियम

- विमान में यात्री की तबियत बिगड़ने या मौत के मामले में अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन एसोसिएशन के नियमों के तहत काम करती है विमान कंपनी।
- विमान का स्टाफ यात्री को बचाने को सीपीआर देता है और चिकित्सक की मदद या पायलट को सूचना दी जाती है।
- यात्री की मौत पर उसे कंबल, बॉडी बैग से ढककर विमान के खाली स्थान या सीट पर रखा जाता है।
- इस स्थिति में पायलट निर्णय लेता है कि विमान को आगे बढ़ाना है या वापस ले जाना है।
- लैंडिंग से पहले हवाई अड्डा प्रशासन, पुलिस को सूचना दी जाती है, जिससे जरूरी प्रक्रिया पूरी की जा सके।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 23 MARCH 2026

सांसत: घरेलू उड़ान सेवाएं महंगी होने की संभावना

- सरकार ने किराया सीमा को हटा लिया है
- विमान ईंधन के दाम बढ़ने की भी संभावना

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच हवाई किराया महंगा हो रहा है। घरेलू हवाई टिकटों पर लगाई गई अस्थाई किराया सीमा को हटा लिया गया है।

एक अप्रैल से विमान ईंधन (एटीएफ) के दाम भी बढ़ सकते हैं। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने इस तरह के संकेत दिए हैं। एटीएफ के दाम बढ़े तो इसका असर भी किराये पर भी पड़ सकता है।

पहले से वसूल रहीं फ्यूल सरचार्ज : जंग के चलते बढ़ी हुई लागत का बोझ कम करने के लिए घरेलू विमानन कंपनियां पहले से सरचार्ज ले रही हैं। 12 मार्च से एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने घरेलू टिकटों पर 399 रुपये का फ्यूल सरचार्ज लगाया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर करीब 16 हजार रुपये तक का सरचार्ज लगाया गया है।

इंडिगो ने दूरी के आधार पर 425 रुपये से 2,300 रुपये तक का सरचार्ज ले रही है। जबकि अकासा एयर द्वारा 199 रुपये से लेकर 1,300 रुपये तक फ्यूल सरचार्ज लिया जा रहा है। कंपनियां युद्ध के बीच पहले से हवाई किराए पर फ्यूल सरचार्ज वसूल रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 23 MARCH 2026

Jets in UAE fly amid strikes, minutes apart

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Commercial flights are taking off and landing in the United Arab Emirates (UAE) within minutes of Iranian drone and missile attacks, according to an analysis by the Wall Street Journal (WSJ) of data from more than 8,700 flights between February 28 and March 20.

At Dubai International Airport, 39 passenger flights were recorded within a five-minute window around alerts about incoming missile and drone threats, WSJ reported. At Abu Dhabi and Sharjah airports, the numbers were six and 12 respectively, WSJ reported. Expanding the window to 10 minutes increased the number of affected flights to 130 across all three airports, WSJ reported.

Significantly, on March 16, an Emirates aircraft bound for Beijing departed minutes before an Iranian drone hit a fuel storage facility near the airport. Following the incident, two incoming flights were diverted and placed in holding patterns, but 12 others had already taken off within the preceding 30 minutes. By midday, the airport returned to full operations.

According to Osprey Flight Solutions, an aviation-security specialist, the UAE has at most two minutes to react to a ballistic missile fired from Iran, and 15 minutes for a drone.

While no commercial aircraft has been shot down in the current conflict, five planes on the ground have sustained damage — two passenger planes parked at Dubai Airport and three private jets hit by debris from intercepted missiles at Israel's Ben Gurion Airport. Etihad, Flydubai and AirArabia, Emirati carriers have conducted 11,000 flights since the war began on February 28.

Pilots and crew members have voiced increasing unease. Some have reported difficulties finding safe landing options.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES PATNA 22 MARCH 2026

Air fares likely to surge as govt withdraws cap

Ruchir Kumar
ruchirkumar@hindustantimes.com

PATNA: The ministry of civil aviation (MoCA) has withdrawn its temporary cap on domestic airfares, introduced during last December's aviation disruption crisis, thus paving the way for a likely increase in ticket prices, particularly ahead of the peak summer travel and festival seasons.

The withdrawal, notified through an order dated March 20, will come into effect from March 23. Airlines have been directed to ensure that fares remain reasonable, transparent and aligned with market conditions, while safeguarding passenger interests.

"The effect of withdrawal on fare cap will be visible during the peak travel season of May and June, when education institutions are closed for summer vacation. Currently, post-Eid, passenger flow is normal. Today's Patna-Delhi economy class air ticket cost between ₹6,300 and ₹10,000," said Kumud Ranjan of Mamta Travels, a travel agent in Patna.

In its order, the ministry said the aviation sector had stabilised, with flight capacity restored and operations normalised, rendering the fare caps unnecessary. However, it cautioned airlines against any unjustified price spikes.

The move offers relief to airlines grappling with rising operational costs, while retaining regulatory oversight to ensure fair pricing. For passengers, however, it is expected to translate into higher fares.

The now-withdrawn order (No. 01/2025), issued on December 6, 2025, had imposed emergency fare ceilings following widespread flight disruptions caused by an operational crisis that led to cancellations and a sharp supply crunch. The caps aimed to curb abnormal surges in ticket prices and prevent profiteering while ensuring affordability during a period of constrained capacity.

Under the December order, distance-based fare ceilings were fixed at around ₹7,500 for routes up to 500 km; ₹12,000 for sectors between 500 and 1,000 km; ₹15,000 for sectors between 1,000 and 1,500 km; and up to ₹18,000 for longer routes above 1,500 km, excluding taxes and fees. These limits applied to one-way economy-class tickets and were conceived as a temporary stabilisation measure.

"Despite operational normalisation, domestic airfares have remained elevated due to multiple external pressures, particularly ongoing conflicts in West Asia. A surge in aviation turbine fuel prices has significantly increased airline costs, while airspace restrictions and rerouting of international flights have led to longer flight durations and higher fuel consumption. Airlines have also raised fuel surcharges by up to ₹500 on certain domestic routes, with some carriers like IndiGo now reflecting these charges separately in ticket pricing," said Ranjan.

Raman Jha of Super Tours and Travels, said the aviation industry was going through a critical phase as nearly 40% travel was down due to West Asia conflicts, affecting domestic travel as well.

HINDUSTAN TIMES PATNA 22 MARCH 2026

{ RELEASES FITNESS POLICY }

Air India proposes pay cut of crew if BMI not in range

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Air India cabin crew who fall outside prescribed weight limits can be pulled off flights without pay, subjected to unannounced BMI checks before or after duty, and required to clear functional fitness tests before being allowed to fly again, under a new health and fitness compliance policy that comes into effect on May 1, 2026.

The policy, which applies to all permanent and fixed-term contract cabin crew, introduces a graded corrective framework tied to body mass index (BMI) — ranging from medical evaluation and fitness assessments for those in the overweight category to immediate de-rostering and loss of pay for those classified as obese.

The airline cited fitness for professional duties as the basis for its new policy.

"In addition to health improvement and welfare, the aim of this policy is to ensure that all cabin crew are in their best physical health to deliver on the expected performance standards. Crew members must take proactive measures to be within the specified normal BMI range... Consequences will apply for non-compliance to assessment timelines and repeated defaulters," the airline states in its 'Cabin Crew Health and Fitness Compliance Policy' document.

Air India will conduct ad hoc weight checks before or after flights, the policy states. REUTERS

Under the policy, a BMI between 18 and 24.9 is classified as the "desired range." BMIs between 25 and 29.9 (overweight) and below 18 (underweight) are acceptable subject to medical clearance and functional assessment. A BMI of 30 or above is classified as "not acceptable."

Air India will conduct ad hoc weight checks before or after flights or during training at the home base or training academy, the policy document — seen by HT — states.

An Air India spokesperson said, "We have introduced a policy promoting awareness around healthy lifestyles and providing guidance on maintaining appropriate fitness levels. It is intended to support crew members in sustaining long-term health while being fully prepared for the operational demands of their role and is in line with World Health Organisation's BMI classifications... Ensuring that cabin crew are physically capable of handling critical onboard situations is a key priority for the airline."

Crew found to be underweight will be de-rostered and required to undergo a medical evaluation within seven days, at their own expense. If no underlying condition is identified, they must clear a functional assessment before returning to flying duty.

"If the crew is unsuccessful in clearing the functional assessment, they will be placed on loss of pay (LoP) until they clear the Functional Assessment," the policy states.

Crew in the overweight category face de-rostering and must clear the functional assessment before being re-rostered; failure to do so results in loss of pay until they pass.

The policy is most stringent for those classified as obese. They are immediately de-rostered and placed on loss of pay, and must undergo medical tests — including blood sugar and lipid profile — within seven days, also at their own expense.

A return to flying duty is permitted only after achieving an acceptable BMI and clearing the functional assessment.

"Any test results of medical examination undergone by the crew prior to being identified as obese shall not be considered," the document states.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 23 MARCH 2026

एअर इंडिया प्रमुख ने अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाने को कहा

मुंबई/नई दिल्ली, 22 मार्च (भाषा)।

एअर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने कर्मचारियों से कहा है कि समूह पश्चिम एशिया के संघर्ष से काफी प्रभावित हुआ है और इसका वित्तीय प्रभाव अभी पूरी तरह से महसूस होना बाकी है। उन्होंने अनावश्यक खर्चों पर पहले से कहीं अधिक सख्त नियंत्रण रखने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

घाटे में चल रही एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस पश्चिम एशिया संकट के कारण दूसरी एअरलाइन कंपनियों की तरह परिचालन बाधाओं से जूझ रही हैं। विल्सन ने शुक्रवार को कर्मचारियों को भेजे एक संदेश में कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से तीन सप्ताह में हमें इस क्षेत्र की लगभग 2,500 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। आज की स्थिति में हम अपनी सामान्य पश्चिम एशिया उड़ानों का केवल 30 प्रतिशत ही संचालित कर पा रहे हैं। कई हवाई अड्डे और हवाई क्षेत्र बंद हैं, या उन्हें हमारे सुरक्षा मानकों से बाहर माना गया है। हवाई क्षेत्र के प्रतिबंधों के कारण एअरलाइन की ब्रिटेन, यूरोप और उत्तरी अमेरिका की उड़ानें भी लंबे हवाई मार्गों का उपयोग कर रही हैं, जिससे ईंधन की खपत बढ़ गई है। विल्सन ने कहा कि पश्चिम एशिया के लिए और वहां से होकर होने वाले परिचालन के बड़े पैमाने को देखते हुए एअर इंडिया समूह पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 23 MARCH 2026

एअर इंडिया ने रद की 2500 उड़ानें

मिडिल ईस्ट तनाव

नई दिल्ली, लोकसत्य। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच एअर इंडिया का परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एयरलाइन के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने बताया कि मिडिल ईस्ट में शुरू हुए जंग के दौरान एअर इंडिया को अब तक 2,500 से अधिक उड़ानें रद करनी पड़ी हैं। जिसके कारण एयरलाइन इस रूट पर अपनी क्षमता के केवल 30% हिस्से पर ही काम कर पा रही है।

एअर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने बताया कि अमेरिका-इजरायल और ईरान में जारी तनाव से उत्पन्न हुए व्यवधान का असर इस क्षेत्र की वित्तीय स्थिति पर पड़ना शुरू हो गया है, जिसके चलते जेट ईंधन की कीमतें दोगुनी से भी अधिक हो गई हैं।

लंबे मार्गों से हो रही उड़ानें

विल्सन ने कहा, ब्रिटेन, यूरोप और उत्तरी अमेरिका जाने वाली अन्य उड़ानों को उन पहले से ही लंबे उड़ान मार्गों से और भी दूर ले जाया जा रहा है, जिनका उपयोग हम पिछले साल पहलगाम घटना के बाद से कर रहे हैं, जिससे अधिक ईंधन की खपत हो रही है और अधिक समय लग रहा है।

टिकट पर लगाया ईंधन अधिभार

विल्सन ने कहा कि इस व्यवधान का अधिकांश प्रभाव हमें अगले महीने से ही महसूस होगा, और बताया कि बढ़ती लागत की आंशिक भरपाई के लिए एयरलाइन ने नए टिकटों पर ईंधन अधिभार पहले ही लगा दिया है। हालांकि, एअर इंडिया के सीईओ व्यापक आर्थिक अनिश्चितता के बीच यात्रा की घटती मांग पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'हर ग्राहक अधिक हवाई किराया देने को तैयार नहीं है, इसलिए मांग में गिरावट आने से पहले हम एक निश्चित सीमा तक ही किराया बढ़ा सकते हैं।

एअर इंडिया का शेड्यूल अस्थिर

सीईओ विल्सन ने कहा कि एअर इंडिया का नेटवर्क और शेड्यूल अत्यधिक अस्थिर हो गया है, लेकिन उन्होंने संचालन, हवाई अड्डों, संपर्क केंद्रों और उड़ान कर्मचारियों सहित सभी कर्मचारियों को व्यवधान को संभालने के लिए धन्यवाद दिया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 23 MARCH 2026

Track airfares

India's civil aviation ministry has withdrawn caps placed on domestic airfares as more expensive fuel amid the West Asia war and a weakening rupee send costs for airlines soaring. While airlines will now be able to raise airfares, the ministry has cautioned that instances of excessive surge "will be viewed seriously" and that the caps may be reintroduced or other steps taken to safeguard the public interest. These caps had been placed in December after flight cancellations by IndiGo sent airfares soaring. But with the situation having normalized, it's welcome that this emergency measure has been withdrawn. Pricing freedom is important for private enterprise and cost pass-throughs are sometimes inevitable. But carriers mustn't turn exploitative. With just two main players, India's market lacks the level of competitive intensity needed for competition to play a regulatory role in assuring customers a fair deal. Since airlines wield disproportionate power and provide a vital service, the government should keep track of their fares. It may be a long while before Indian skies are well contested again. But ensuring that they are should be treated as a matter of urgency by New Delhi.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 23 MARCH 2026

Air ticket fares likely to surge from today

S LALITHA @ New Delhi

BRACE for higher airfares from Monday as the temporary price cap imposed by the government in December, in the wake of the Indigo crisis, is set to expire.

It comes at a time when the airlines have seen a rise in operational expenses on account of the circuitous routes taken by international flights due to the ongoing war in West Asia between US-Israel and Iran. Airlines had recently introduced a fuel surcharge to offset the higher operational expenses due to the rise in price of Aviation Turbine Fuel.

Referring to the Indigo crisis in December, the order said, "The prevailing situation has since stabilised, with restoration of capacity and normalisation of operations across the sector."

While removing the fare cap, the government has directed airlines to exercise pricing discipline and warned that "excessive or unjustified surge in fares during periods of peak demand or disruptions" could force the government to reintroduce fare caps or make other interventions in the public interest.

"Airlines shall ensure that fares remain reasonable, transparent and commensurate with market conditions, and that passenger interests are not adversely impacted," it said.

The order also comes in the backdrop of the Federation of Indian Airlines, which represents three major airlines in the country, calling for the rollback of a recent announcement by the ministry mandating that 60% of seats in any flight be allocated free of cost.

NAVBHARAT TIMES DELHI 23 MARCH 2026

महंगे हो सकते हैं हवाई किराये, सरकार की सीमा हटी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** इस्राइल-अमेरिका और ईरान युद्ध के बीच आम लोगों पर असर डालने वाली एक और खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, सरकार घरेलू उड़ानों पर लगी एयरफेयर कैप हटाने की तैयारी में है। यदि ऐसा होता है तो 23 मार्च से भारतीय एयरलाइंस डोमेस्टिक फ्लाइट्स के किराए बाजार की मांग और आपूर्ति के आधार पर तय कर सकेंगी। हालांकि, नागर विमानन मंत्रालय की ओर से अभी तक कैप हटाने को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई।

घरेलू उड़ानों के किराये बढ़ाने पर रोक हटी

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय ने घरेलू उड़ानों के किराया बढ़ाने पर लगी रोक को हटा दिया है। अब एयरलाइन कंपनियां घरेलू फ्लाइट्स का किराया सीटों की मांग की हिसाब से बढ़ा सकेंगी। आदेश के मुताबिक यह फैसला 23 मार्च से लागू होगा। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई रुकावटों के बाद फेयर कैप लगाया लगाया गया था। सरकार ने एयरलाइंस का अधिकतम किराया 18000 रुपये तय किया था। एयरलाइन इससे ज्यादा दाम नहीं ले सकती थीं। पूरे सेक्टर में उड़ानों की क्षमता बहाल हो गई है तथा परिचालन सामान्य हो गया है।

समीक्षा के बाद, यह फैसला किया गया है कि किराए पर लगाई गई सीमा को 23 मार्च, 2026 से हटा दिया जाएगा। दरअसल, पिछले साल डीजीसीए ने 1 नवंबर से पायलटों और अन्य क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े नियमों में बदलाव किए थे। इसे फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नाम दिया गया था। इसकी वजह से एयरलाइन कंपनी इंडिगो में स्टाफ की कमी हो गई जिससे हजारों फ्लाइंट्स कैंसिल हुई थी। इस वजह

- **यह फैसला आज से लागू होगा : इंडिगो संकट के दौरान सरकार ने लगा दी रोक**

से अन्य एयरलाइंस ने घरेलू फ्लाइट्स का किराया 50 हजार तक बढ़ा दिया था। अपने आदेश में, मंत्रालय ने यह भी कहा कि एयरलाइंस को कीमतों के मामले में अनुशासन बनाए रखना होगा और जिम्मेदारी से काम करना होगा। मंत्रालय ने कगा कि एयरलाइंस यह सुनिश्चित करेंगी कि किराया उचित, पारदर्शी और बाजार की स्थितियों के अनुरूप हो, और यात्रियों के हितों पर कोई बुरा असर न पड़े।

PUNJAB KESARI   DELHI   23 MARCH 2026

पश्चिम एशिया संकट का एयर इंडिया पर असर, अब तक 2,500 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का असर अब वैश्विक विमानन क्षेत्र के साथ-साथ एयर इंडिया पर भी साफ दिखने लगा है। एयरलाइन की पिछले तीन सप्ताह में कंपनी को लगभग 2,500 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। वर्तमान हालात में एयर इंडिया पश्चिम एशिया के लिए अपनी सामान्य उड़ानों का केवल करीब 30 प्रतिशत ही संचालन कर पा रही है।

इसकी प्रमुख वजह क्षेत्र के कई हवाई अड्डों और एयरस्पेस का बंद होना या सुरक्षा के लिहाज से अनुपयुक्त होना है। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष का प्रभाव न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक एविएशन इंडस्ट्री पर पड़ रहा है, हालांकि एयर इंडिया पर इसका असर अधिक है क्योंकि इस क्षेत्र में उसकी उड़ानों की संख्या पहले से ज्यादा रही है। आर्थिक मोर्चे पर भी दबाव बढ़ता जा रहा है। जेट ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आया है, जो पहले के मुकाबले दोगुने से अधिक हो चुकी हैं। बढ़ती लागत को देखते हुए एयरलाइन ने नए टिकटों पर फ्यूल चार्ज में वृद्धि की है, जिससे यात्रियों पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की संभावना है। युद्ध का असर लंबी दूरी की उड़ानों पर भी पड़ा है। ईरान में जारी संघर्ष के कारण यूके, यूरोप और नॉर्थ अमेरिका जाने वाली उड़ानों को अब लंबा रूट अपनाना पड़ रहा है। इससे उड़ान का समय बढ़ रहा है और ईंधन की खपत भी ज्यादा हो रही है। एयर इंडिया सीईओ ने आशंका जताई कि किराये में बढ़ोतरी से यात्रियों की संख्या प्रभावित हो सकती है, क्योंकि हर यात्री महंगे टिकट खरीदने के लिए तैयार नहीं होता। हालांकि यूरोप और नॉर्थ अमेरिका रूट्स पर कुछ नई मांग भी उभर रही है, जिसके चलते एयर इंडिया इन क्षेत्रों में अपनी सेवाएं बढ़ाने पर विचार कर रही है, जबकि कुछ अन्य एयरलाइंस लागत बढ़ने के कारण अपनी उड़ानें घटा रही हैं।

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 22 MARCH 2026

Flying set to cost more as govt removes domestic airfare cap

Saurabh.Sinha @timesofindia.com

New Delhi: Brace yourself for steeper domestic airfares as airlines will be able to pass on their escalated operating costs to passengers from next week. The domestic airfare cap of Rs 18,000 (UDF, passenger security fees & taxes extra) that was imposed on Dec 6, 2025, during the IndiGo crisis will be lifted from Monday (March 23).

While the aviation ministry order says "excessive or unjustified surge in fares during periods of peak demand, disruptions or exigencies will be viewed seriously" and fare caps can be reintroduced "if required in public interest", airline companies are facing their biggest crisis since the Covid pandemic six years ago.

HEADING SKYWARDS

Dollar-denominated costs have skyrocketed with the rupee plunging to new all-time lows on a daily basis during the West Asia conflict. Aviation turbine fuel (ATF) pricing remains a big concern.

International airfares have been very high since the war began as operating airlines' capacity to and from the west has shrunk and the big three Gulf carriers are flying very few flights. Since airlines have not got any fiscal relief on ATF excise (from Centre) or VAT (from some places like Delhi and Mumbai), they had categorically asked the central govt to cap airfares if their costs can be similarly capped too. While IndiGo and Tata Sons' Air India group have deep pockets, most of the other Indian airlines are struggling to remain afloat.

Airlines say while costs have gone through the roof, there is a limit to fare hikes as that affect demand.

"The financial impact of this crisis is yet to be fully felt, as although the spot price of jet fuel has more than doubled, most of the impact will only hit us from next month," Air India CEO Campbell Wilson stated in his weekly message to employees Friday.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 22 MARCH 2026

ROUTE CAUSE OF MISERY

War stretches flights, crews, and wallets

Airspace closures due to the ongoing Iran war have driven up operating costs for airlines and caused a world of inconvenience to passengers, while pilots fight fatigue as flying times go up, says **Saurabh Sinha**

A passenger aircraft flies past smoke rising near Dubai International Airport earlier this week

HOW THE SKIES CHANGED

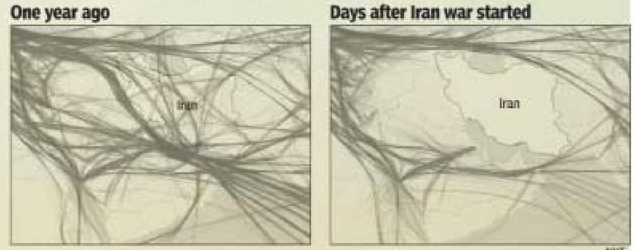

NYT

WHAT IT MEANS FOR FLIGHTS FROM INDIA

Take an AI Mumbai-New York flight. What was a non-stop service, lasting less than 17 hours before Feb 28, is now an over 20-hour flight, with a stop in Rome

Mumbai to New York

Note: Routes are indicative

Delhi to London

Flying time from Delhi to London has gone up by over 50% — from about 8 hours with Pakistan and Iran overfly (A), to over 12 hours with the Iran war now (D). The duration kept increasing in between after Taliban's takeover in Afghanistan (B) and due to Op Sindoor (C)

Passengers seated to the (right or left) can see the pyramids of Giza." Fatigued pilots of Air India operating flights to and from the West now often make this announcement on clear visibility days while overflying Egypt on the excruciatingly longer routes imposed by the US-Israel war against Iran.

Since Feb 28, going west — except to the west coast of North America — from India means overflying Arabian Sea while steering clear of Pakistan (for Indian carriers) and Iranian airspace (for all); then turning right from over Oman en route to Muscat, Saudi Arabia or beyond, via Cairo, to Europe, UK and North America. It's the same route on the way back. The war-zone air traffic corridor covering the airspaces of Afghanistan (starting with Pakistan for Indian carriers), Iran, Iraq, Lebanon, Jordan, Israel bears a deserted look with almost all planes flying below this passage. The usable corridors in the region, like parts of Saudi Arabia, are seeing the war affect them, too.

The impact: Air India Delhi-London non-stop flying time has increased 50% from about eight hours — when both Pakistan (for Indian carriers) and Afghanistan airspace used to be open — to over 12 hours now after the Iran war. Its Mumbai-New York 13-14-hour non-stop has become a one-stop via Rome with the travel time close to 21 hours now. IndiGo uses wide body aircraft of Norway's Norse Atlantic airline, which completely bypass West Asia per the EU regulator's advice. They fly over the Arabian Sea right up to Africa, and then turn right to fly north to Cairo and beyond. Same route on return for all.

Since Feb 28, the Iran war has led to passengers facing a sharp rise in airfares and drastic fall in travel options with the Big Three — Emirates, Qatar Airways, and Etihad — out of the picture for now. Airlines have seen their operating costs skyrocket, fewer lucrative Gulf flights, and fatigued pilots at the controls of their wide-body aircraft. Here's how it is impacting different stakeholders:

Indian Operators

Shrunk Network: They used to have between 400 and 500 daily flights between India and the West, a number that has sharply fallen since Feb 28 due to the closure of airports in Bahrain and Doha, even as those in UAE stay sporadically open and offer slots. Only a few places, like parts of Saudi, and Muscat, have regular flights and overflying these days in the region.

Half of IndiGo's 300 daily international flights were to the West and that has shrunk to a handful now. Air India Express had 110 daily West Asia connections, which is now down to 50 "ad hoc" connections. Air India had 254 scheduled weekly West Asia flights and that's dropped to 30-40. Akasa and SpiceJet have also seen a reduction in their Gulf flights.

Escalating Operating Costs: Since the Iran war began, aviation turbine fuel (ATF) prices have effectively risen every time the rupee hits a new low, which is a daily feature now. It currently costs about $817 per kilo litre (kL) in both Delhi and Mumbai — up from about $779 last month. But the INR-to-USD exchange rate has gone from Rs 91 to Rs 93.30. So have all dollar-denominated costs — like lease rentals and maintenance — escalated.

To top it all, routes have got much longer, which means burning much more of that costly fuel. A Boeing 787 burns about five tonnes of fuel every hour and a B777 about 7.5 tonnes. If flying time goes up by two hours, there's an extra 10-15 tonnes burnt per flight. At $817 per tonne for international flights of domestic carriers, and the rupee at 93.30 to a dollar, the extra expense on fuel alone works out to Rs 80,000 per hour. Air India has 358 weekly flights to the West — covering Europe, UK and North America — which are still operating.

Indian operators upload much more fuel than usual from India these days so that aircraft can return home with passengers — instead of getting stuck — in case of escalated fighting in West Asia. More fuel means a heavier plane. And heavier the plane, more is the fuel burn.

"At current operating costs, it does not make sense to operate the West flights. We are doing so as a commitment to keep our flyers connected. Flying aircraft has always meant defying nature, with heavy metal tubes kept airborne. Now, after the Iran war, they are defying economics, too," said a senior official. Airlines' pleas to govt for some relief on ATF excise or VAT have been futile so far.

> At current operating costs, it does not make sense to operate the West flights. We are doing so as a commitment to keep our flyers connected
>
> — SENIOR OFFICIAL AT AN AIRLINE

The impact is staggering for all, more so the Maharaja. The AI Group, IndiGo and Akasa have imposed a fuel surcharge, ranging from Rs 199 to $200, on their flights. Insurance costs for flights to West Asia have soared by as much as Rs 30-40 lakh for a narrow-body return trip and Rs 90 lakh to Rs 1 crore for a wide-body round trip.

Fatigued Crew

With aircraft flying much longer routes to and from the West, Air India sought — and got — exemption from flight duty time limitation rules for its crew from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA). The regulator has now allowed its pilots to fly up to 11.5 hours, which means two pilots can operate longer flights without the need for a third one that would allow them to rest in turn en route. Pilots have been flying the longer routes from last April itself, when Pakistan airspace was closed during Operation Sindoor. The Iran war has further stretched the already long routes.

AI's Boeing 787 Dreamliner pilots are worst hit as that aircraft's cockpit seat allows limited recline due to a safety issue. "We are pushing our body to the limit of human endurance," is what a B787 pilot had to say, a sentiment echoed by others. "Imagine sitting in an uncomfortable office chair for 11.5 hours straight and being present 100% for the entire duration as we are flying close to a war zone with GPS jamming and spoofing all the way from the airspaces close to Pakistan to beyond Turkey. Airlines should be asked to increase pilot availability. God forbid, if something goes wrong, just blame the pilot. That's the usual script."

Both AI and DGCA are aware of the difficulties, which they blame on extraordinary circumstances. AI has converted 30 B777 pilots to the Dreamliner and they are expected to start flying in two months.

"We have formally sought coordinated flight time (FT) and flight duty period (FDP) exemptions from DGCA. These exemptions are intended to be used only till the current Middle East airspace restrictions are in effect and are critical for maintaining schedule integrity and minimise passenger inconvenience... All such exemptions are supported by safety risk assessments and will be applied strictly in accordance with approved conditions," AI senior VP (flight ops), Capt Manish Uppal, said in a mail recently to pilots.

Away from flights, some ways in which war's hurting India...

Medical devices: Rising medical-grade plastic, freight and gas costs are threatening medical supplies like syringes, hospital disposables. Prolonged disruption could trigger production cuts and price hikes

Pharma: Shortage of propane has led to shutdowns at drug plants across states. Output of some essential medicines hit

Fertilisers: LNG disruption is affecting ammonia and urea production ahead of kharif season

Restaurants/catering: Commercial LPG shortages are pushing up costs and disrupting operations

ACs: LPG and petrochemical shortages are hurting air-conditioner production just before the summer season

Automobiles: Costlier components, gas shortages are straining auto production

Turbulence Hits Passengers

When the Iran war broke out, passengers were forced to shell out enormous amounts to fly to their destinations, and India was no exception. An Indian student, who had come to Delhi from Ireland in mid Feb for his grandfather's last rites, paid Rs 1.8 lakh for a one-way ticket to return to college.

Many people are holding on to their bookings on Emirates, Etihad, Qatar Airways for this summer. If the war does not end quickly and those airlines don't restore flights soon thereafter, airfares on other options will defy gravity in the approaching summer travel months that begin from early April in India.

Adding Capacity

Gulf carriers have historically carried a significant chunk of traffic between India and the rest of the world via their mega hubs like Dubai, Doha, and Abu Dhabi. The sudden unavailability of the Big Three has created a vacuum, with passengers who'd already booked on them for travel post Feb 28 now looking for alternatives and, thus, chasing the same limited options as those making fresh bookings.

Air India is adding as many extra flights to the West as possible. Lufthansa deployed its 500-seater Airbus A380 instead of the 280-seater A350 on Munich-Delhi and Munich-Mumbai routes apart from increasing frequency between Chennai and Frankfurt. SWISS will operate a second daily service between Delhi and Zurich during March 19-24. Lufthansa is weighing the option of getting more group airlines to India. Only Lufthansa, SWISS and ITA now fly to India; there are other group carriers that do not as of now, including Austrian, Brussels Airlines, Discover, and Eurowings.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 23 MARCH 2026

Airfare cap removed; fuel shock may push travel cost up

SHEKHAR SINGH
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, MARCH 22

Who will pay more to fly, what has changed in ticket pricing, when will fares start rising, where will the impact be felt most, why has the cap been lifted and how will airlines respond, the reset in India's aviation market has begun after the Ministry of Civil Aviation removed domestic airfare cap from March 23, even as a global fuel shock driven by the US-Israel-Iran conflict pushes costs sharply higher.

In its March 20 order, the ministry withdrew the temporary fare ceiling imposed on December 6, 2025, when large-scale disruptions, particularly involving IndiGo, had triggered a spike in ticket prices. The cap, which kept one-way economy fares within roughly Rs 18,000 depending on distance, has now been lifted citing "normalisation of operations across the sector".

But the order draws a clear red line. It said "any instance of excessive or unjustified surge in fares… particularly during peak demand, disruptions, or exigencies, will be viewed seriously," and added that fare

FILE

caps or other interventions can be reintroduced if required in public interest. The Directorate General of Civil Aviation has been tasked with monitoring fares in real time.

The timing of deregulation is crucial. It comes just as global oil markets are under stress due to the ongoing conflict. For airlines, this is not a marginal increase. Aviation turbine fuel (ATF), which accounts for up to 45 per cent of operating costs, is already firming up and is expected to rise further from April 1.

Civil Aviation Minister Ram Mohan Naidu has acknowledged the pressure, stating that the impact of rising ATF prices "is definitely going to be there". The situation is compounded by operational changes, including longer flight paths to avoid sensitive airspace, which increase fuel burn and costs per flight.

Airlines have begun passing on the burden. Air India and its subsidiary have introduced a Rs 399 fuel surcharge on domestic tickets. IndiGo has imposed levies ranging from Rs 425 to Rs 2,300 per sector, while Akasa Air has added surcharges of up to Rs 1,300.

Industry signals point to more upward pressure. The Federation of Indian Airlines has warned that recent regulatory proposals, including a directive mandating 60 per cent free seat allocation, could erode a key revenue stream. It said the financial impact would be "significant" and may compel airlines to recover losses through fare increases. For passengers, the impact will not be uniform. On routes with high competition and for early bookings, fares may remain stable. But on peak routes, last-minute travel and during disruptions, prices are expected to rise more sharply.